न्यूज डायरी

भारत ही नहीं पाक में भी आसमान छू रहे पेट्रोल के दाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। भारत ही नहीं बल्कि पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी पेट्रोल–डीजल की कीमत आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान के विपक्षी दलों ने गुरुवार को ईंधन की कीमतों में वृद्धि को लेकर सरकार की खिंचाई की। पीपी के अध्यक्ष बिलावल भुटो–जरदारी ने कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश के इतिहास में पेट्रोल की कीमतों को उच्चतम स्तर तक बढ़ाकर देश के लोगों को धोखा दिया है। पीपीपी प्रमुख ने कहा, जब डालर का मूल्य और पेट्रोल की कीमत इतिहास में उच्चतम स्तर पर है, तो सब कुछ लोगों की पहुंच से बाहर है। उन्होंने आगे कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि से एकत्र किए गए अरबों रुपये इस अक्षम पीटीआई सरकार द्वारा बर्बाद किए जाएंगे। पीएमएल–एन की सूचना सचिव मरियम औरंगजेब ने पीएम खान से कहा कि पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी करने के बाद लोगों के दुख का मजाक न उड़ाया जाए।

तालिबानी आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकियों को पालने वाले पाकिस्थ्तान को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तानी दौरे पर आई न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम ने सुरक्षा खतरे को देखते हुए अचानक से अपना पाकिस्तान का दौरा रद कर दिया। यही नहीं पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने देश को फजीहत से बचाने के लिए हर संभव कोशिश की। उन्होंने मनाने के लिए न्यूजीलैंड के पीएम को फोन तक लगाया, लेकिन बात नहीं बनी। टीम आज रात तक स्वेदश लौट जाएगी। न्यूजीलैंड ने कहा है कि उन्हें सुरक्षा का खतरा था और इसी को देखते हुए उन्होंने यह दौरा रद किया है। बताया जा रहा है कि न्यूजीलैंड ने तालिबानियों को पालने वाले पाकिस्तान को जोरदार तमाचा दिया है। न्यूजीलैंड ने टीम को सुरक्षा खतरे को देखते हुए पाकिस्तान को अलर्ट किया था, इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने उसे खारिज कर दिया। यही नहीं इमरान खान ने न्यूजीलैंड को फोन किया लेकिन बात नहीं बनी।

तालिबान में आंतरिक कलह की खबरों का अनस हक्कानी ने किया खंडन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान के बीच चल रही दरार की बातों को संगठन के वरिष्ठ नेता अनस हक्कानी ने खारिज कर दिया है। तालिबान की अंतरिम घोषणा के बाद राष्ट्रपति भवन में समूह के प्रतिद्वंदी गुटों के बीच विवाद की खबरें सामने आई थीं। अब हक्कानी ने ट्वीट करके इन अफवाहों का खंडन किया है। एक ट्वीट में हक्कानी ने कहा, इस्लामिक अमीरात एक संयुक्त मोर्चा है जो इस्लामी मूल्यों (इस्लामवाद) और अफगानी मूल्यों (अफगानवाद) की एकल पंक्ति का अत्यधिक सम्मान करता है। हम सभी अपने प्रिय अफगानिस्तान में शांति, समृद्धि और स्थिरता लाने के लिए एकजुट हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें सामने आ रही थीं कि तालिबान के अंतरिम उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर को तालिबान के गुटों और शक्तिशाली हक्कानी नेटवर्क के बीच विवाद के दौरान नुकसान पहुंचा था।

पूर्वज के हाथ में थीं 150 हड्डियां, वैज्ञानिकों ने खोजी थी इंसानों की नई प्रजाति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। प्राचीन मानव अवशेषों की खोज को हमेशा से ही एक बड़ी कामयाबी माना जाता रहा है। हमारे पूर्वज कैसे थे और आज के मानव से कैसे अलग थे, जैसे तमाम सवालों की खोज सदियों से जारी है। इसमें अफ्रीकी देश काफी हद तक मददगार साबित होते हैं। दशकों से अफ्रीका मानव जीवाश्मों का सबसे बड़ा स्रोत बनकर सामने आया है। स्नबल की खोज 1974 में इथियोपिया में की गई थी। यह प्रारंभिक होमिनिन्स का एक आस्ट्रेलोपिथेकस जीनस था। वह सबसे पहले ज्ञात मानव पूर्वजों में से एक साबित हुई जो करीब 3. 2 मिलियन साल पुरानी थी। आधुनिक मानव यानी आज का मानव कब अस्तित्व में आया? माना जाता है कि आधुनिक मानव पूर्वी एरिका में करीब 200,000 साल पहले विकसित हुए थे।

आर्थिक पतन के कगार पर पहुंचा अफगानिस्तान

आर्थिक संकट

नकदी संकट ने बढ़ाई तालिबान सरकार की मुश्किलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद तालिबान के पास युद्ध जीतने से भी बड़ी चुनौती है वहां सरकार चलाना। अफगानिस्तान में बड़ी उथल–पुथल, आर्थिक संकट के साथ अब लोग बेरोजगारी और गरीबी की तरफ बढ़ रहे हैं। देश के आम लोग दो वक्त का खाना खाने के लिए अपने घर का कीमती सामान बेचने को मजबूर हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, पिछले महीने काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से अफगानिस्तान की पहले से ही कमजोर अर्थव्यवस्था में गिरावट आई है।

द न्यूयार्क पोस्ट ने बताया कि 15 अगस्त को तालिबान की काबुल की घेराबंदी के तुरंत बाद विदेशी सहायता तुरंत रोक दी गई थी। इसके अलावा अमेरिका ने देश के केंद्रीय बैंक में 9.4 बिलियन अमरीकी डालर के भंडार को रोक दिया। इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

और विश्व बैंक ने भी ऋण रोक दिया है और वित्तीय कार्रवाई कार्य बल ने अपने 39 सदस्य देशों को तालिबान की संपत्ति को फ्रीज करने की चेतावनी दी है।

अगस्त में तालिबान के अधिग्रहण के बाद से करोड़ों लोगों को बैंकों से अपनी बचत निकालने के लिए लंबी लाइनों में इंतजार करते देखा गया है। अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान की बैंक संपत्तियों को फ्रीज करने और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा फंड को रोकने की घोषणा ने अफगानों के बीच चिंता बढ़ा दी है। अफगान के लोग जो पहले सरकारी नौकरियों कर रहे थे या निजी क्षेत्र में काम कर रहे थे, उन्हें रातोंरात बेरोजगार कर दिया गया है। टोलो न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानों ने अब काबुल की सड़कों को साप्ताहिक बाजारों में बदल दिया है जहां वे अपने घरेलू सामान को सस्ते दामों पर बेच रहे हैं ताकि वे अपने परिवार को खाना मुहैया करा सकें।

अन्य विशेषज्ञों के अनुसार, नई सरकार सहित अफगानों के लिए एक अनौपचारिक अर्थव्यवस्था ही एकमात्र रास्ता हो सकता है, जिससे वे बचे रह सकें। द पोस्ट के अनुसार, तालिबान खुद मुख्य रूप से अपने विद्रोह के वर्षों के दौरान जीवित रहने के लिए हवाला के पैसों पर निर्भर थे। देश में बिगड़ती आर्थिक स्थिति के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने अफगानिस्तान के लिए 1 अरब अमरीकी डालर से अधिक की सहायता का वादा किया है यह चेतावनी देते हुए कि अधिकांश आबादी जल्द ही गरीबी रेखा से नीचे आ सकती है। पिछली अफगान सरकार में वाणिज्य और उद्योग उप मंत्री मुहम्मद सुलेमान बिन शाह ने कहा कि कब्जे से पहले देश की अर्थव्यवस्था नाजुक थी।

काबुल पर कब्जा करने के एक महीने बाद तालिबान अब कठिन समस्याओं का सामना कर रहा है। उनके पास अब अफगानिस्तान के लोगों को रोजगार देने और एक सक्षम प्रशासन कायम करने की चुनौती है।

पाकिस्तानी मंत्री शेख राशिद का तालिबान प्रेम!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान का एक बार फिर तालिबान प्रेम जगजाहिर हुआ है। पाकिस्तानी मंत्री शेख राशिद ने तालिबान को लेकर अपना प्रेम दिखाया है। शेख राशिद का कहना है कि तालिबान की सरकार को अफगानिस्तान को चलाने के लिए समय दिया जाना चाहिए। पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद अहमद ने कहा है कि तालिबान को सरकार बनाने और अपने देश के मामलों को चलाने के लिए समय दिया जाना चाहिए। पाकिस्तान अखबार डान की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने गुरुवार को इस्लामाबाद में शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त फिलिपो ग्रांडी के साथ एक बैठक के दौरान ये टिप्पणी की।

इस हफ्ते की शुरुआत में ग्रैंडी ने देश के अंदर अफगानों और विदेश भाग गए शरणार्थियों के लिए ष्तत्काल और निरंतरष् समर्थन की अपील की थी। बुधवार को अफगानिस्तान की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के समापन के बाद ग्रैंडी ने कहा कि अफगानिस्तान में मानवीय स्थिति निराशाजनक बनी हुई है। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बैठक के दौरान अफगानिस्तान से शरणार्थियों की वापसी और अफगान नागरिकों के लिए मानवीय सहायता से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

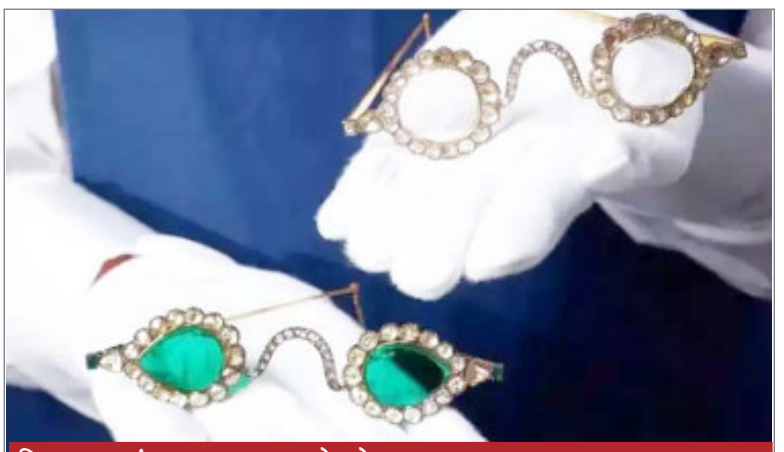

कितना महंगा चश्मा पहनते थे मुगल बादशाह?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अगले महीने 17वीं सदी के दो जोड़ी प्राचीन चश्मे 35 लाख डॉलर यानी करीब 25 करोड़ रुपए में नीलाम हो सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में इसके बारे में जानकारी दी गई है। इस चश्मे में खास तरह के रत्न जड़े हुए हैं और कांच के बजाय इसमें हीरे और पन्ना से बने लेंस लगे हुए हैं। लेकिन यह सिर्फ हीरों या बेहद कीमती रत्नों की वजह से इतना महंगा नहीं बिक रहा है बल्कि इसकी कई वजहें हैं। सुत्रों के अनुसार माना जाता है कि चश्मा मूल रूप से मुगल साम्राज्य के राजघरानों का है। इस खास तौर पर पहनने वाले द्वारा शबुराई को दूर भगानेश और श्ज्ञान के उदय तक पहुंचने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया था।

इमरान खान सरकार पर भड़का दोस्त चीन, कहा– सीपीईसी में देरी मंजूर नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संसद ने माना है कि चीन वर्तमान प्रगति से खुश नही

इस्लामाबाद। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ड्रीम प्रॉजेक्ट्स चाइना–पाकिस्तान ऑर्थिक कॉरिडोर में देरी से ड्रैगन भड़क गया है और उसने पाकिस्थ्तान की इमरान सरकार को लताड़ लगाई है। खुद पाकिस्तान की संसद ने माना है कि चीन सीपीईसी में वर्तमान प्रगति से खुश नहीं है। पाकिस्तानी सीनेट की एक स्टैंडिंग कमिटी ने इमरान सरकार से कहा कि वह सीपीईसी परियोजना में तेजी लाए।

पाकिस्तानी अखबार द न्यूज के मुताबिक सीनेट की कमिटी ने एक बैठक की जिसमें चेयरमैन सलीम मांडवीवाला ने कहा कि चीन ने उनसे कहा है कि इस परियोजना को तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा, मेरे निजी सूत्रों का कहना है कि चीन सीपीईसी की परियोजना के प्रगति से खुश नहीं है और उसने मुझसे इसमें आ रही दिक्कतों को दूर करने में मदद के लिए कहा है।

चीन के 9 इंजीनियरों की हत्या के बाद तनाव बढ़ाः कमिटी ने सीपीईसी को लेकर इमरान के विशेष सलाहकार खालिद मंसूर से कहा कि वह प्रॉजेक्ट्स को सही समय पर पूरा कराएं। उधर, खालिद मंसूर ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता चीन के विश्वास को वापस हासिल करना है। उन्होंने कहा, मैं खुद उन सभी प्रॉजेक्ट की जिम्मेदारी लूंगा और विभिन्न मंत्रालयों से उन्हें पूरा कराने के लिए लोगों से मिलूंगा।

चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर या सीपीईसी चीन का महत्वकांक्षी प्रॉजेक्ट है जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अक्साई चीन जैसे विवादित इलाकों से होकर गुजरता है। भारत इस प्रॉजेक्ट का विरोध करता है क्योंकि यह पाक अधिकृत कश्मीर से गुजरता है। मुख्य तौर पर यह एक हाइवे और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट है जो चीन के काशगर प्रांत को पाकिस्तान के ग्वारदर पोर्ट से जोड़ेगा।

अमेरिका ने चीन के खिलाफ बनाया महागठबंधन, तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही दुनिया?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया ने चीनी दादागिरी के खिलाफ शंखनाद कर दिया है। इन तीनों देशों ने ड्रैगन पर नकेल कसने के लिए एक नए एंग्लो सैन्य गठबंधन का निर्माण किया है। नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन को 'ऑकस' नाम दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ अपने गठजोड़ को मजबूत करने के लिए फ्रांस के साथ 90 अरब डॉलर के सबमरीन डील को रद कर दिया है। इसकी जगह पर ऑस्ट्रेलिया अब अमेरिका–ब्रिटेन की मदद से परमाणु सबमरीन खरीदेगा और उस पर अमेरिकी ब्रह्मास्त्र टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें लगी होंगी। इसके साथ ही अब दुनिया में एक और सैन्य गठबंधन की शुरुआत हो गई है। अमेरिका ने रूस पर लगाम लगाने के लिए नाटो का निर्माण किया था और बदली हुई परिस्थिति में हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन अमेरिका का सबसे बड़ा शत्रु हो गया है।